

जायद बही नं० 4

148

जिलद-बाबल महकमा सब-रजिस्ट्रार

कामान जवादाय
मोह: यह खाना इस किमम मे
मोहो के लिये भी इस्तेमाल हो
सकते है जो मागुवी कितान नं०
4 के खाना कीफियत मे लिखे
जाते है

सम्बर नमारा बादशाह मुकामान
केगावीयत और मोईयत और
कीमत रजिस्ट्री व बीगर शुम
और नामान वगुन धुवा

मुकतार नमारा आम
वर मुकतान नमारा 151-अम
किता 3

इला जाम खुबे नराल परगना कादिल तज्जी
ता - चम्प व उगज्जाला है।
किपती शक्ति चम्प उगलत खुडी नराल परगना
तख्कील उगलती जिला - चम्प नै हो
र - खुद गालिन, व बाबल हो। उगलर
तहि नै लुहा दिगार, मापल, ताज, मोहल,
हो। उगलर अपने सारे वार गाई,
शक्ति की लिखान देही तज्जी दामन कीफियत
के कामगमन है। हज्ज लिख उगलर नै
अ - जुज्जली भी देवी चद अपुता
जाम लेगेरा परगना कादिल तज्जी जलुगी
त - चम्प उगलर इमाम निद्रसत करता
करता है कि उगलर गज्जूर मेरी
नै लिखान देही करवाए। तज्जी जुज्जली
साइर साई ल कर, इज्जतान करवा
का - चीरान करवाए। इम उगलर हर
साईहा जील्पा पत, व वज्ज हज्जी देवी।
करवाए। तज्जी लकही की बैन, परोल
खिल करे। रज्जी देवी, हज्जलार सरे तज्जी
रे किम्पी उगलर की काजूनी मोमवाही
लत माजान नै सरे। इम उगलर उगलर
चम्प करण उगलर की माफ होगा
तार उगलर उगलर की शक्ति की किम्पी
मुतचित्त करे व माफे सारी - खिवेग
तार - नज्ज इमाम उगलर अही गज्ज लिखान
उ मागती। किम्पी

हज्जलार
मु खतार शक्ति
लातलम उगलर
माफी *Paulan*
रफेरा उगलर वहील
चम्प जाम लिखान परगना
कादिल तज्जी जलुगी

उता उस्सम

उता उस्सम

२७/७/९८

27.7.98

आज दिनांक

नो माल

१. लाल दीव
 २. सु-जी बराल
 ३. सु-जी बराल
 ४. सु-जी बराल
 ५. सु-जी बराल
 ६. सु-जी बराल
 ७. सु-जी बराल
 ८. सु-जी बराल
 ९. सु-जी बराल
 १०. सु-जी बराल

L.T.1 लाल रीत

सर्व रजिस्ट्रार

27/7/98

लाल रीत

ॐ लाम

47 न र

किसी व्यक्ति के लिए

57

29/12/23

व भीले

$$\pi < 15$$

ज लोडा परि

या गया ।

2)

3. ଏକାକୀ (Solitary)

U.T-1

मामरी -

27/7/98

पुस्तक प्रणाली
मानक



Pranab
2/11/20

प्रमाणित किया जाता है उपरोक्त
हस्ताक्षर मेरे रोबख किये गये।

समस्त विद्यार्थी

27 17 198

पड़, वसीका न० 12
 जिल्द न० IV बही न० 4
 पर पढ़ा हो कर जाईत बही न० 54
 जिल्द न० V
 पर आज दिनक 22-3-98 के सफा न० 148
 हो कर चला आया।